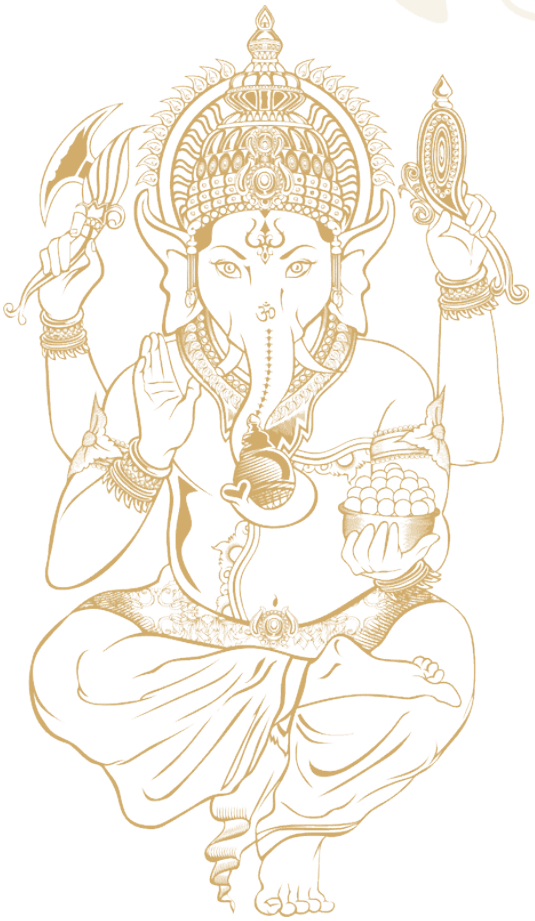

Mahesh Sati

24 Dec 1996

08:05 AM

Bhilai

Model: web-freekundliweb

Order No: 120330102

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24/12/1996**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**08:05:00 घंटे**
इष्ट	03:35:22 घटी
स्थान	**Bhilai**
राज्य	Chhattisgarh
देश	India

अक्षांश	21:13:00 उत्तर
रेखांश	81:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:04:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:00:44 घंटे
वेलान्तर	00:00:21 घंटे
साम्पातिक काल	14:12:21 घंटे
सूर्योदय	06:38:51 घंटे
सूर्यास्त	17:29:11 घंटे
दिनमान	10:50:20 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	08:45:05 धनु
लग्न के अंश	28:39:09 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	शुक्ल
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	पूर्व
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	का-कमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	28:39:09	366:15:32	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
सूर्य			धनु	08:45:05	01:01:06	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	00:07:42	12:31:11	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	मित्र राशि
मंगल			कन्या	02:36:22	00:22:43	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
बुध	व		धनु	25:24:11	00:03:10	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
गुरु			धनु	29:32:46	00:13:37	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	स्वराशि
शुक्र			वृश्चि	14:45:58	01:14:56	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	सम राशि
शनि			मीन	07:10:37	00:02:13	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कन्या	09:46:14	00:14:04	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	09:46:14	00:14:04	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	09:01:42	00:03:09	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
नेप			मक	02:43:43	00:02:07	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	10:17:48	00:02:09	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			तुला	11:34:17	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:55

लग्न-चलित

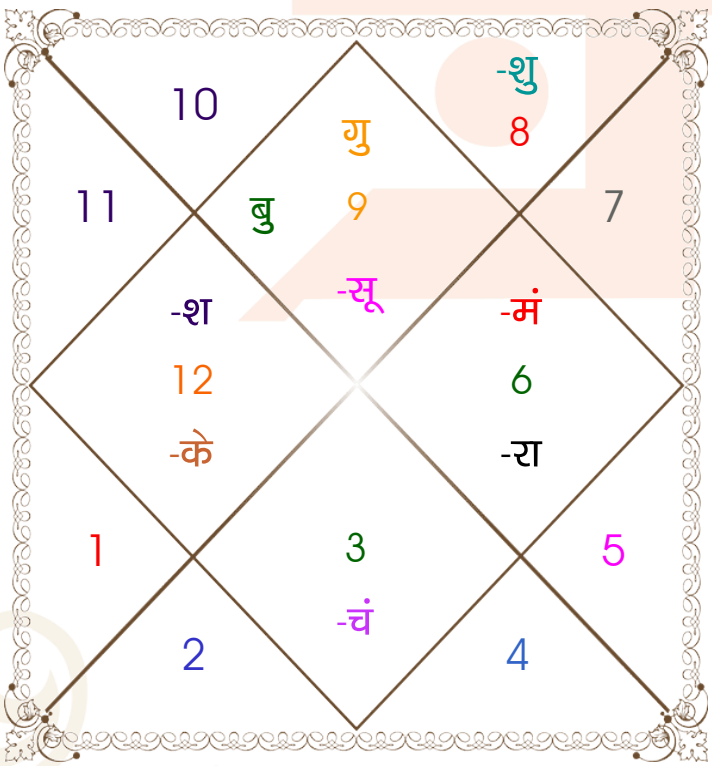

चन्द्र कुंडली

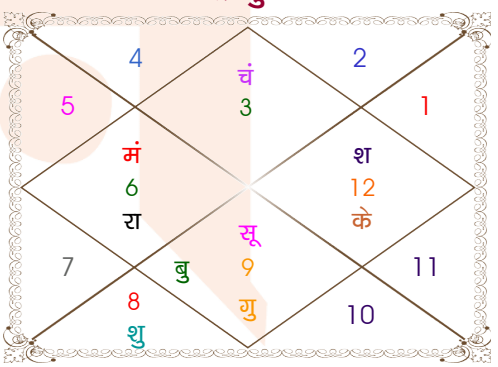

नवमांश कुंडली

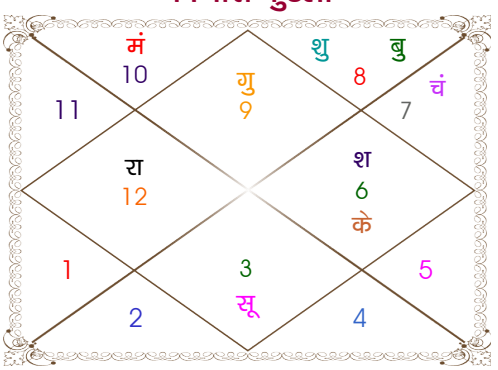

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Professor colony Raipur CG
Member All India Federation Of Astrologers Society
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 3 वर्ष 5 मास 5 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
24/12/1996		31/05/2000		31/05/2018		31/05/2034		31/05/2053	
31/05/2000		31/05/2018		31/05/2034		31/05/2053		31/05/2070	
	00/00/0000	राहु	11/02/2003	गुरु	18/07/2020	शनि	03/06/2037	बुध	28/10/2055
	00/00/0000	गुरु	06/07/2005	शनि	30/01/2023	बुध	11/02/2040	केतु	24/10/2056
	00/00/0000	शनि	12/05/2008	बुध	07/05/2025	केतु	22/03/2041	शुक्र	25/08/2059
	24/12/1996	बुध	30/11/2010	केतु	12/04/2026	शुक्र	21/05/2044	सूर्य	30/06/2060
बुध	26/11/1997	केतु	18/12/2011	शुक्र	11/12/2028	सूर्य	03/05/2045	चंद्र	29/11/2061
केतु	25/04/1998	शुक्र	18/12/2014	सूर्य	30/09/2029	चंद्र	03/12/2046	मंगल	27/11/2062
शुक्र	25/06/1999	सूर्य	12/11/2015	चंद्र	30/01/2031	मंगल	12/01/2048	राहु	15/06/2065
सूर्य	31/10/1999	चंद्र	13/05/2017	मंगल	06/01/2032	राहु	18/11/2050	गुरु	21/09/2067
चंद्र	31/05/2000	मंगल	31/05/2018	राहु	31/05/2034	गुरु	31/05/2053	शनि	31/05/2070

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
31/05/2070		31/05/2077		31/05/2097		01/06/2103		01/06/2113	
31/05/2077		31/05/2097		01/06/2103		01/06/2113		00/00/0000	
केतु	27/10/2070	शुक्र	29/09/2080	सूर्य	17/09/2097	चंद्र	01/04/2104	मंगल	28/10/2113
शुक्र	27/12/2071	सूर्य	30/09/2081	चंद्र	19/03/2098	मंगल	31/10/2104	राहु	16/11/2114
सूर्य	03/05/2072	चंद्र	31/05/2083	मंगल	25/07/2098	राहु	02/05/2106	गुरु	22/10/2115
चंद्र	02/12/2072	मंगल	30/07/2084	राहु	19/06/2099	गुरु	01/09/2107	शनि	30/11/2116
मंगल	30/04/2073	राहु	31/07/2087	गुरु	07/04/2100	शनि	01/04/2109	बुध	25/12/2116
राहु	19/05/2074	गुरु	31/03/2090	शनि	20/03/2101	बुध	31/08/2110		00/00/0000
गुरु	25/04/2075	शनि	31/05/2093	बुध	24/01/2102	केतु	01/04/2111		00/00/0000
शनि	03/06/2076	बुध	31/03/2096	केतु	01/06/2102	शुक्र	30/11/2112		00/00/0000
बुध	31/05/2077	केतु	31/05/2097	शुक्र	01/06/2103	सूर्य	01/06/2113		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 3 वर्ष 5 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

वास्तव में कुछ व्यक्तियों का जन्म भाग्यशाली होता है। उनमें से एक आप भी हैं। ज्योतिषीय आकृति स्वरूप आपका जन्म उत्तराषाढ़ा नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्नोदय एवं धनु नवमांशोदय काल। आपका जन्म सिंह राशि के द्रेष्काण में हुआ था। आपका जन्म प्रभाव यह व्यक्त करता है कि आप लब्ध प्रतिष्ठित हो कर, धन संपत्ति से युक्त पूर्ण स्वस्थ एवं प्रसन्नतम जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे।

आपके जीवन का प्रथम भाग ऐसा प्रतीत होता है कि आपकी सफलता हेतु एक छोटा सहयोगात्मक योगदान ही पर्याप्त होगा। आपके जीवन में थोड़ा विलम्ब से धनोपार्जन कर के सुव्यवस्थित होंगे। आपकी अच्छी संपत्ति आपमें विद्यमान सहन शक्ति एवं आत्मकारिता के गुण हैं। आप यह जानते हैं कि किस प्रकार धनी व्यक्ति बना जा सकता है। आप इन बातों को बहुत महत्व देते हैं। आप धन का समुचित उपयोग करेंगे। आप बहुत धन संग्रह करेंगे। परंतु आपके मस्तिष्क में अहंकारिक भावना से युक्त नहीं होंगे तथा कोई भी प्रतिकूल कार्य नहीं करेंगे। जो आप पर विश्वास करेगा। आप उसकी सहानुभूति अवश्य लौटाएंगे। क्योंकि आप बाधा रहित होकर जीवन निर्वाह करना चाहते हैं। आप एक चतुर एवं बुद्धिमान प्राणी हैं। अतः आप अपने अनेक मित्रों को आकर्षित कर लेंगे क्योंकि वे आपको कला में प्रवीनता के प्रशंसक हैं। वे लोग अभावग्रस्त होने पर आपका संरक्षण अभिलाषा प्रकट करेंगे।

आपके पास एक सुखद भवन होगा जिसमें अपनी कुशल एवं प्रिय गृहणी के साथ आनंद प्राप्त करेंगे तथा होनहार सुशील बच्चों से युक्त होंगे। आप इन से अलग रहकर प्रसन्न नहीं रहेंगे। आपका घर अन्यों की अपेक्षा इर्ष्यारहित होगा। आप अपने जीवन में उत्तरोत्तर विकास हेतु, उद्यृत व्यवसायों में से कोई भी पसंदीदा रोजगार सुनिश्चित कर सकते हैं। यथा अंतर्राष्ट्रीय आयात-निर्यात् विकास का कार्य, न्यायधीश अथवा मध्यस्थता करने का कार्य, अथवा भूमि भवन से संबंधित दलाली का कार्य यथा वास्तविक भूमि के क्रय-विक्रय, खनिज खदान कार्य, कृषि कार्य अथवा वास्तुकला से संबंधित कार्य आपके लिए अनुकूल एवं लाभजनक प्रमाणित होगा।

आपके स्वास्थ्य की उत्तमता हेतु शान्ति पूर्वक अंहकारिक भावनाओं से विरक्त तथा किसी भी प्रकार की अतिशय से अलग रहना लाभदायक होगा। आपके अपने स्वास्थ्य रक्षा हेतु अच्छी प्रकार नियमित रहना आवश्यक है। कालांतर में किसी भी प्रकार की आकस्मिकता के कारण कतिपय रोग यथा गैस रोग की दिक्कते, पक्षाघात, चर्म रोग यथा फोड़ा-फुंसी अथवा खुजली रोग से प्रभावित होने की आशंका है। यदि आप समय पर इसके रोकथाम की चहल कदमी प्रारंभ कर लिए तो आप रोग मुक्त हो सकते हैं।

भविष्य की अनुकूलता हेतु आप अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक का व्यवहार अपने जीवन में शुभता हेतु करें तो उत्तम रहेगा। परंतु अंक 2, 7 एवं 9 अंक आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुभ दिन रविवार, सोमवार एवं मंगलवारका दिन

प्रतीत होता है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए अशुभफलदायी है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग क्रीम रंग, सफेद, नारंगी, नीला, हरा रंग एवं सूआपंखी रंग लाभदायक प्रमाणित होगा। परंतु रंग काला, लाल एवं मोतिया रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।